IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 2, Issue 1, July 2022
Impact Factor: 6.252

भारतीय ज्ञान परंपरा के सर्वोच्च सामाजिक एवं राजनीतिक मूल्य

डॉ. धीरेन्द्र सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर–समाजशास्त्र,

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी प्रयागराज

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, उसकी इस सामाजिकता ने आदिम समाज से निकलकर एक सुसंगत एवं सभ्य राष्ट्र की यात्रा तय की है। मानव के इस सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन के सफर में उसकी विवेकसम्मत दृष्टि, राजनीति चेतना इत्यादि ज्ञान के निरंतर परिमार्जीकरण का प्रतिफल है। प्रत्येक व्यक्ति समाज तथा राष्ट्र की दशा एवं दिशा ज्ञान के उच्चीकरण का परिणाम है, जिससे विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाओं के विविधीकरण, कार्य विशेषीकरण, दक्षता, कुशलता, निष्पक्षता एवं विभिन्न मानवीय मूल्यों आदि का आविर्भाव एवं विस्तार होता है। इस संदर्भ में भारतीय भूमि महान है। इस भूमि की ज्ञान की अविरल धारा ने संपूर्ण जगत को सींचा है। भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रारम्भ से ही समृद्धशाली रही है।

मुख्य शब्द : ''वसुधैव कुटुंब, विश्व शांति, लोकतांत्रिक मूल्य, लैंगिक न्याय, विधि का शासन, सामाजिक संस्कृति, एकात्मकता, मानव कल्याण, विश्व बन्धुत्व।''

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-11991A